बिच्छू का ज़हरीला डंक

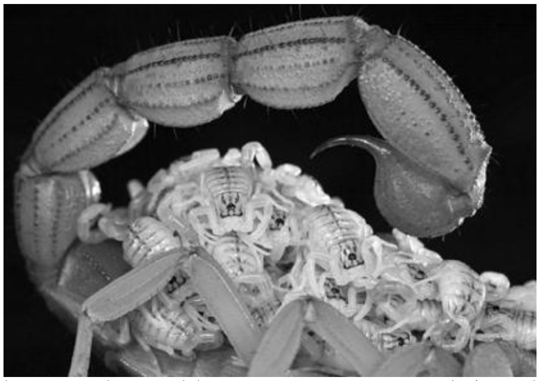

क्या नहीं है इस फोटो में प्यारा लगने जैसा? लेकिन इससे उलट अगर हम देखें तो बिच्छू को देखकर सबसे पहले तो यह अनुभव होता है कि यह कितना खतरनाक प्राणी है और उसका ज़हरीला डंक तो और भी खतरनाक है। लेकिन यही मादा बिच्छू अपने बच्चों के जीवन की रक्षा के लिए उन्हें बड़ा होने तक अपने पेट के ऊपर पालती है, तब तक जब तक कि वे आत्मरक्षा करने के काबिल न हो जाएं।

इस फोटो के लिए जर्मन फोटोग्राफर इन्गो अर्न्ट को फ्रिट्ज़ पोलकिंग पुरस्कार से दूसरी बार नवाज़ा गया है।

बिच्छू के पेट (जिसे पूंछ कहते हैं) का अंतिम सिरा बल्ब के समान फूला हुआ होता है जो घातक ज़हर से भरा होता है। और यही घातक ज़हर बिच्छू को इतना जाना-माना अकशेरुकी जंतु बनाने के लिए पर्याप्त है। बिच्छू जीव विज्ञान के अनुसार एक एरेक्निड है। जो बात बहुत लोग नहीं जानते हैं वह यह है कि अन्य एरेक्निड्स के विपरीत बिच्छू अंडे देने के बजाय सीधे बच्चे पैदा करते हैं। ये बच्चे न तो खुद कुछ खा-पी सकते हैं और न ही अपने शरीर की नमी का नियमन कर सकते हैं। इन्हें बड़े होने तक मां की ज़रूरत होती है।

यहां जिस बिच्छू का फोटो है वह ब्यूथिडी कुल का सदस्य है। इनका ज़हर मनुष्य के लिए जानलेवा होता है। चित्र में ये बच्चे जितने प्यारे दिख रहे हैं, उतने हैं नहीं।

इन बिच्छुओं के मालिक ने बताया कि ये बहुत खतरनाक होते हैं और इनसे 10 सेंटीमाटर की दूरी बनाकर रखना ही सुरक्षित है। अच्छी बात है कि ये कूद नहीं सकते। ***(स्रोत फीचर्स)***